भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3097

दिनांक 06 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

.....

भूजल स्तर में सुधार

3097. श्री विवेक ठाकुर:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में, विशेषकर नवादा और शेखपुरा जिलों में, चिह्नित किए गए विकास खंडों के भूजल स्तर में कोई सुधार दर्ज किया गया है; और

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) और (ख): केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा संबंधित राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के साथ संयुक्त रूप से प्रतिवर्ष बिहार के नवादा और शेखपुरा जिलों सहित देश के सक्रिय भूजल संसाधनों का आकलन किया जाता है। इसमें आकलन इकाई स्तर (ब्लॉक/मंडल/तालुका/तहसील/जिला, जैसा भी लागू हो) पर वार्षिक भूजल पुनर्भरण, वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन, वार्षिक भूजल निष्कर्षण और भूजल निष्कर्षण के स्तर का अनुमान लगाया जाता है, जिसके आधार पर आकलन इकाइयों को सुरक्षित, अर्ध-गंभीर, गंभीर या अति-दोहित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

वर्ष 2020 और वर्ष 2025 के सक्रिय भूजल संसाधन आकलनों की तुलना से देश के भूजल संसाधन में समग्र सुधार का पता चलता है। इस अवधि के दौरान, कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण 436.15 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) से बढ़कर 448.52 बीसीएम हो गया, जबकि वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन 397.62 बीसीएम से बढ़कर 407.75 बीसीएम हो गया। सभी उपयोगों के लिए कुल वार्षिक भूजल निष्कर्षण 244.92 बीसीएम से मामूली रूप से बढ़कर 247.22 बीसीएम हुआ। परिणामस्वरूप, भूजल निष्कर्षण का स्तर वर्ष 2020 के 61.60 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2025 में घट कर 60.63 प्रतिशत पर आ गया। इसके अतिरिक्त, सुरक्षित के रूप में वर्गीकृत आकलन इकाइयों का अनुपात वर्ष 2020 में 63.56 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2025 में बढ़ कर 73.14 प्रतिशत हो गया, जबकि अति-दोहित आकलन इकाइयों का

अनुपात 16 प्रतिशत से घटकर 10.80 प्रतिशत रह गया, जो देश भर में भूजल की उपलब्धता में समग्र सुधार का संकेत देता है।

वर्ष 2020 और वर्ष 2025 के सक्रिय भूजल संसाधन आकलनों की तुलना नवादा जिले की समग्र भूजल-संसाधन स्थिति में सुधार दर्शाती है। इस अवधि के दौरान, वार्षिक भूजल पुनर्भरण 618.91 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) से बढ़कर 730.94 एमसीएम हो गया, जबकि वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन 558.85 एमसीएम से बढ़कर 659.61 एमसीएम हो गया। यद्यपि वार्षिक भूजल निष्कर्षण 315.21 एमसीएम से मामूली रूप से बढ़कर 328.46 एमसीएम हो गया, फिर भी भूजल निष्कर्षण का स्तर 56.40 प्रतिशत से घटकर 49.80 प्रतिशत पर आ गया। परिणामस्वरूप, भूजल निष्कर्षण का समग्र स्तर 70 प्रतिशत से काफी नीचे रहा और यह जिला सुरक्षित श्रेणी में बना हुआ है । सक्रिय भूजल संसाधन आकलन, 2025 के अनुसार, जिले की 14 आकलन इकाइयों में से 10 को सुरक्षित, 2 को अर्ध-गंभीर और 2 को गंभीर के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जबकि कोई भी आकलन इकाई अति-दोहित नहीं है।

शेखपुरा जिले में, वार्षिक भूजल पुनर्भरण वर्ष 2020 के 182.14 एमसीएम की तुलना में वर्ष 2025 में बढ़ कर 187.04 एमसीएम हो गया, जबकि वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन 163.93 एमसीएम से बढ़कर 169.73 एमसीएम हो गया। तथापि, वार्षिक भूजल निष्कर्षण भी 87.53 एमसीएम से बढ़कर 99.85 एमसीएम हो गया, जिसके परिणामस्वरूप भूजल निष्कर्षण का स्तर 53.40 प्रतिशत से बढ़कर 58.83 प्रतिशत हो गया। इसके बावजूद, भूजल निष्कर्षण का समग्र स्तर 70 प्रतिशत से नीचे बना हुआ है और यह जिला सुरक्षित श्रेणी में बना हुआ है । सक्रिय भूजल संसाधन आकलन, 2025 के अनुसार, जिले की छह आकलन इकाइयों में से पांच को सुरक्षित और एक को गंभीर के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें कोई भी आकलन इकाई अर्ध-गंभीर या अति-दोहित नहीं है।

*****